2153. *(Transfernd to the* 17/ft *August,* 1987).

Profit, made by M|g P. T". Fire Star Industries Ltd.

2154. SHRI 5ATYA PRAKASH MALA VIA: Will tie Minister $_0$f FINAN CE be pleased to refer to Unstarred Question 2641 given in the Rajya Sabha on the 19t>h Marcl, 1987 and state:

(a) the details $_0$i the amount df profits made by P. T. live Star Industries Limited $_a$nd also r< payments made so far to the consortium >f bunks; ami

(b) the details o the amount remained to be paid after th repayments made by M|s. p. T. Five S ar Industries Limited «o far?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) and (b) In acordance with the statutes governing the public sector b inks an<j the practices and usages custonary amongst the bankers, information relating to $_0$r to t^{ne} affairs of the cor itituents $_0$f the banks cannot be divulged

बड़े औद्योगिक घरानों की परिसम्पत्तियों के संबंध में जांच

2155. श्री अशोक नाथ वर्मा :क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ संसद सदस्यों और कुछ भूतपूर्व संसद सदस्यों ने भी 7 मई, 1987 को एक पत्र लिखकर देश के कुछ बड़े औद्योगिक रानों की परिसम्पत्तियों की जांच करने की मांग की थी, यदि हां, तो इन घरानों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की जांच कब की गई थी ;

(ख) क्या केन्द्रीय जांच ब्यूरो, राजस्व के अन्वेषण शाखा, प्रवर्तन निदेशालय और अन्य विभागों द्वारा कोई जांच की गई थी, यदि हां, तो इन जांचों के प्रकाश में उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) इन बड़े औद्योगिक घरानों पर कुल कितनी धनराशि बकाया है ?

वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग में राज्य मंत्री (श्री बी० के० गढवी) : (क) जी, हां। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में एक भूतपूर्व संसद सदस्य का दिनांक 7-5-1987 का एक पत्र प्राप्त हुआ था, जिसका उत्तर वित्त राज्य मंत्री द्वारा दिनांक 6-7-1987 को उक्त भूतपूर्व संसद सदस्य को भेज दिया गया था ।

(ख) बड़े-बड़े औद्योगिक घरानों के कार्यकलापों के बारे में प्राप्त विशिष्ट शिकायतों के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा निरंतर जांच-पड़ताल की जाती है जहां कहीं आवश्यक होता है, राजस्व कानूनों के तहत उपयुक्त कार्यवाही की जाती है।

(ग) जहां तक संदर्भाधीन पत्र में उल्लिखित बड़े-बड़े औद्योगिक घरानों का सम्बन्ध है, दिनांक 31-3-1987 की स्थिति के अनुसार 10 लाख रु० से अधिक के आयकर की बकाया के मकानों में अन्तर्ग्रस्त आयकर की राशि 63.45 करोड़ रुपये है।

बोरिंग पम्प सैट सम्बन्धी घोटाला

2156. श्री अशोक नाथ वर्मा : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ संसद सदस्यों और कुछ भूतपूर्व संसद सदस्यों ने 19 सितम्बर, 1986 के अपने पत्र द्वारा बिहार में बोरिंग पम्प सैटों से संबंधित घोटालों की जांच की मांग की थी ;

(ख) यदि हां, तो अलग-अलग बैंकों के नाम सहित, उन अधिकारियों के नाम क्या हैं जिनके खिलाफ अब तक कार्यवाही की गई है ; कितने संभारकों और सरकारी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ; और